भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 3707
दिनांक 12 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न

कर्नाटक में आरजीएम और एएचआईडीएफ

3707. डॉ. के. सुधाकरः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) के कार्यान्वयन की कर्नाटक सहित राज्य-वार स्थिति क्या है;
(ख) सरकार द्वारा पिछले दो वर्षों के दौरान स्थापित किए गए नए पशु औषधालयों, चल पशु चिकित्सा इकाइयों या प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा हल्लीकर, अमृत महल और मलनाद गिद्दा जैसी देशी गायों की नस्लों के संरक्षण और संवर्धन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(घ) क्या कर्नाटक में डेयरी प्रसंस्करण, शीतलन अवसंरचना और चारा विकास को सहायता देने के लिए एएचआईडीएफ के अंतर्गत कोई निवेश किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या सरकार की विभिन्न योजनाओं के संबंध में अनियमितताएं, निधियों का दुरुपयोग या परियोजना में देरी पाई गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) और (ग) हल्लीकर, अमृतमहल और मलनाद गिद्दा सहित देशी बोवाइन नस्लों के संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा किए गए प्रयासों को अनुपूरित और संपूरित करने के लिए भारत सरकार देशी नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाइनों के आनुवंशिक उन्नयन और बोवाइन पशुओं के दुग्ध उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि हेतु राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) का कार्यान्वयन कर रही है। इस योजना के अंतर्गत कर्नाटक की हल्लीकर, अमृतमहल और मलनाद गिद्दा सहित सभी देशी बोवाइन नस्लें शामिल हैं। इस योजना के तहत निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं :

(i) देशी नस्लों के सांडों सहित उच्च गुणता वाले सांडों के सीमन का उपयोग करते हुए राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम का कार्यान्वयन।
(ii) पशुपालन और डेयरी विभाग ने सेक्स-सॉर्टेड सीमन उत्पादन सुविधाएं स्थापित की हैं और सेक्स-सॉर्टेड सीमन का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम कार्यान्वित किया है, जिसका उद्देश्य 90% सटीकता से बछड़ियों का उत्पादन करना है, जिससे दुधारू गोपशुओं की संख्या में वृद्धि, नस्ल सुधार और किसानों की आय में वृद्धि होगी। सरकार ने देशी नस्लों के सेक्स-सॉर्टेड सीमन सहित किसानों को उचित दरों पर सेक्स-सॉर्टेड सीमन उपलब्ध कराने के लिए देशी रूप से विकसित सेक्स-सॉर्टेड सीमन तकनीक प्रारंभ की है।

(iii) गोपशु की गिर, साहीवाल, थारपारकर, कांकरेज, हरियाना, राठी, गाओलाओ नस्लों और भैंस की मुर्रा, मेहसाणा, जाफराबादी, पंढरपुरी, नीली रावी, बन्नी जैसी देशी नस्लों के सांडों सहित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों के उत्पादन हेतु संतति परीक्षण और नस्ल चयन का कार्यान्वयन। कार्यक्रम के अंतर्गत उत्पादित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले देशी नस्लों के सांडों को सीमन उत्पादन के लिए सीमन केंद्रों को उपलब्ध कराया जा रहा है।
(iv) इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) तकनीक का कार्यान्वयन: देशी नस्लों के उत्कृष्ट पशुओं के प्रजनन हेतु, विभाग ने 23 आईवीएफ प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं। एक ही पीढ़ी में बोवाइन पशुओं के आनुवंशिक उन्नयन में इस तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अलावा, किसानों को उचित दरों पर तकनीक उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने देशी आईवीएफ मीडिया की शुरुआत की है।

(v) जीनोमिक चयन: उच्च आनुवंशिक गुणता (HGM) वाले पशुओं का चयन करने और गोपशुओं तथा भैंसों के आनुवंशिक सुधार में तेजी लाने के लिए, विभाग ने एकीकृत जीनोमिक चिप्स विकसित की हैं - देशी गोपशुओं के लिए गौ चिप और भैंसों के लिए महिष चिप - जो विशेष रूप से देश में उच्च आनुवंशिक पशुओं के जीनोमिक चयन को शुरू करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।

(vi) वैज्ञानिक और समग्र तरीके से गोपशु और भैंसों की देशी नस्लों के विकास और संरक्षण हेतु 16 गोकुल ग्रामों की स्थापना हेतु राज्यों को निधियां जारी की गई हैं। देशी नस्लों के जर्मप्लाज्म के भण्डार के रूप में दो राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र स्थापित किए गए हैं। वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक संशोधित पुनर्संरेखित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत दोनों कार्यकलाप बंद कर दिए गए हैं।

(vii) पशुपालन और डेयरी विभाग देशी नस्लों के उत्कृष्ट पशुओं में से उत्कृष्टतम की पहचान, डोनर्स के स्थान और प्रसार के लिए सुरभि चयन श्रंखला और राष्ट्रीय दुग्ध रिकॉर्डिंग कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहा है। अब तक सुरभि चयन श्रंखला के अंतर्गत, मलनाद गिद्दा के 1773 पशु, हल्लीकर के 692 और अमृतमहल नस्ल के 664 पशुओं की पहचान की गई है और उन्हें भारत पशुधन डेटाबेस में दर्ज किया गया है।

कर्नाटक राष्ट्रीय गोकुल मिशन में भाग ले रहा है और योजना की शुरुआत से अब तक 107.37 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। कर्नाटक में गोपशु की हल्लीकर, अमृतमहल, मलनाद गिद्दा नस्ल के विकास और संरक्षण के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत निम्नलिखित विशिष्ट प्रयास किए गए हैं:

(i) अमृतमहल नस्ल के गोपशुओं के वैज्ञानिक और समग्र विकास हेतु चिकमंगलुरु जिले के लिंगदहल्ली में गोकुल ग्राम की स्थापना हेतु राज्य को निधियां जारी की गईं हैं। राज्य सरकार ने 11 अमृतमहल गोपशु प्रजनन उपकेंद्र भी स्थापित किए हैं और इन उपकेंद्रों में अमृतमहल नस्ल के 1623 गोपशुओं का पालन-पोषण किया जाता है।

(ii) राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए राज्य को निधियां जारी की गईं हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी देशी नस्लों (हल्लीकर, अमृतमहल, मलनाद गिद्दा, खिल्लर, कृष्णा वैली, देवनी, गिर, साहीवाल, थारपारकर आदि) के उत्कृष्ट सांडों के वीर्य का उपयोग सभी देशी नस्लों के आनुवंशिक उन्नयन हेतु किया गया है।

(iii) ग्रामीण भारत में सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों-बहुउद्देश्यीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (MAITRI) को प्रशिक्षित और सुसज्जित करने के लिए निधियां जारी की गई है ताकि देशी नस्लों में कृत्रिम गर्भाधान कवरेज सहित कृत्रिम गर्भाधान कवरेज का विस्तार किया जा सके।

(iv) राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य, देशी नस्लों के प्रजनन को प्रोत्साहित करने के लिए अमृता सिरी योजना लागू कर रहा है। इस योजना के अंतर्गत अमृतमहल, हल्लीकर और मलनाद गिद्दा सहित देशी नस्लों की बछियों/हीफर इच्छुक किसानों को उपलब्ध कराई जाती हैं।

कर्नाटक सहित योजना के राज्यवार कार्यान्वयन की स्थिति का विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान स्थापित नई मोबाइल पशुचिकित्सा इकाइयों का विवरण और नए औषधालयों, मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों या प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों सहित पशु चिकित्सा औषधालयों का राज्यवार विवरण अनुबंध-II और III में दिया गया है।

(घ) कर्नाटक में डेयरी प्रसंस्करण, शीतलन अवसंरचना और चारा विकास को सहायता प्रदान करने के लिए पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (AHIDF) के अंतर्गत किए गए निवेश का विवरण अनुबंध-IV में दिया गया है।

(ङ) जी नहीं।

अनुबंध-I

आरजीएम योजना के कर्नाटक सहित राज्यवार कार्यान्वयन की स्थिति का विवरण

क्र. सं.	राज्य का नाम	राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (NAIP)			संतति परीक्षण परियोजना	नस्ल चयन परियोजना	उत्पादित सेक्स-सॉर्टेड सीमन खुराक	आईवीएफ लैब की संख्या	बीएमएफ
		शामिल पशु	किए गए एआई	लाभान्वित किसान					
1	आंध्र प्रदेश	7271593	13534121	3385494	-	1	-	2	19
2	अरुणाचल प्रदेश	3896	4553	1808	-	-	-	-	1
3	असम	1728956	2259202	1469462	-	-	-	-	-
4	बिहार	3939394	5426332	2699120	-	-	-	2	1
5	छत्तीसगढ	1899186	2555961	1136298	-	-	-	1	1
6	गोवा	25869	43346	8741	-	-	-	-	-
7	गुजरात	5851560	9414998	3472009	3	5	1929919	3	16
8	हरियाणा	616051	888738	447974	1	1	-	1	2
9	हिमाचल प्रदेश	1826836	2984525	1333501	-	1	-	1	-
10	जम्मू और कश्मीर	2378443	4258437	1610132	-	-	-	-	7
11	लद्दाख	7409	9374	6049	-	-	-	-	-
12	झारखंड	2687916	3606125	1820869	-	-	-	-	-
13	कर्नाटक	8316189	16365745	5213640	-	-	-	-	9
14	केरल	-	-	-	-	1	-	1	2
15	मध्य प्रदेश	7897299	9691938	4677115	-	-	876820	1	4
16	महाराष्ट्र	5657630	7673491	3660588	2	-	5040475	3	33
17	मणिपुर	27786	32608	16248	-	-	-	-	-
18	मेघालय	51326	85953	16630	-	-	-	-	-
19	मिजोरम	8712	12650	3989	-	-	-	-	-
20	नागालैंड	41209	53282	16966	-	-	-	-	-
21	ओडिशा	4918641	6635012	3074382	-	-	-	-	-
22	पंजाब	1195739	1896192	636970	1	2	-	2	-
23	राजस्थान	5952426	7869493	4138417	2	1	-	-	7
24	सिक्किम	43868	54931	33777	-	-	-	-	-
25	तमिलनाडु	5043636	8532152	2338501	-	1	658157	2	4
26	तेलंगाना	3244563	4237569	1665755	-	-	-	1	12
27	त्रिपुरा	248420	333665	209181	-	-	-	-	-
28	उत्तर प्रदेश	14015463	22167599	7892528	-	1	2066148	1	8
29	उत्तराखंड	1511187	2447353	1064152	-	-	2000249	1	5
30	पश्चिम बंगाल	5218518	8166218	3437398	-	-	-	1	1
कुल		**91629721**	**141241563**	**55487694**	**9**	**14**	**12571768**	**23**	**132**

*बीएमएफ- नस्ल वृद्धि फार्म;

अनुबंध-II

पिछले दो वर्षों के दौरान स्थापित मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (MVUs) और एमवीयू की स्थिति का राज्यवार विवरण

क्रं. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	संस्वीकृत एमवीयू की संख्या	कार्य कर रही एमवीयू की संख्या			
			वर्ष 2022 - 23	वर्ष 2023 - 24	वर्ष 2024 - 25	वर्ष 2025 - 26
1	आंध्र प्रदेश	340	340	0	0	0
2	अरुणाचल प्रदेश	25	25	0	0	0
3	असम	159	0	159	0	0
4	बिहार	307	0	0	307	
5	छत्तीसगढ	163	0	163	0	0
6	दिल्ली	3	0	0	0	3
7	गोवा	2	2	0	0	0
8	गुजरात	127	0	127	0	0
9	हरियाणा	70	0	70	0	0
10	हिमाचल प्रदेश	44	0	44	0	0
11	जम्मू और कश्मीर	6	50	0	0	0
12	झारखंड	236	0	0	236	0
13	कर्नाटक	275	275	0	0	0
14	केरल	29	29	0	0	0
15	लद्दाख	9	0	0	9	9
16	मध्य प्रदेश	406	0	406	0	0
17	महाराष्ट्र	80	0	80	0	0
18	मणिपुर	33	0	0	33	0
19	मेघालय	17	0	0	17	0
20	मिजोरम	26	26	0	0	0
21	नागालैंड	16	16	0	0	9
22	पुदुचेरी	4	0	0	4	0
23	राजस्थान	536	0	536	0	0
24	सिक्किम	6	6	0	0	0
25	तमिलनाडु	245	0	0	245	0
26	त्रिपुरा	13	13	0	0	0
27	उत्तर प्रदेश	520	520	0	0	9
28	उत्तराखंड	60	60	0	0	0
29	पश्चिम बंगाल	218	218	0	0	0
	कुल	**4340**	**1580**	**1585**	**851**	**3**

अनुबंध-III

पशुचिकित्सा संस्थानों का राज्यवार विवरण

पशुचिकित्सा संस्थानों की संख्या (दिनांक 31.03.2024 के अनुसार)					
क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**पशुचिकित्सा अस्पताल/पॉलिक्लिनिक**	**पशुचिकित्सा औषधालय**	**पशुचिकित्सा उपचार केंद्र**	**कुल**
1	आंध्र प्रदेश	337	1577	1558	3472
2	अरुणाचल प्रदेश	16	183	311	510
3	असम	21	431	767	1219
4	बिहार	1096	39	1595	2730
5	छत्तीसगढ	364	847	55	1266
6	गोवा	5	25	47	77
7	गुजरात	34	891	1139	2064
8	हरियाणा	1050	1815	91	2956
9	हिमाचल प्रदेश	466	1762	1228	3456
10	जम्मू और कश्मीर	19	1256	225	1500
11	झारखंड	35	424	433	892
12	कर्नाटक	697	2176	1381	4254
13	केरल	279	870	15	1164
14	मध्य प्रदेश	1063	1583	65	2711
15	महाराष्ट्र	39	1976	2841	4856
16	मणिपुर	59	151	23	233
17	मेघालय	4	126	121	251
18	मिजोरम	11	67	69	147
19	नागालैंड	13	55	100	168
20	ओडिशा	62	479	3553	4094
21	पंजाब	1389	1489	22	2900
22	राजस्थान	3066	7167	102	10335
23	सिक्किम	23	74	49	146
24	तमिलनाडु	182	2766	921	3869
25	तेलंगाना	107	909	1101	2117
26	त्रिपुरा	16	65	462	543
27	उत्तराखंड	331	10	779	1120
28	उत्तर प्रदेश	2208	267	2575	5050
29	पश्चिम बंगाल	113	616	2609	3338
30	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	10	13	49	72
31	चंडीगढ़	5	9	-	14
32	लद्दाख	4	9	127	140
33	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	1	2	12	15
34	दिल्ली	48	29	-	77
35	लक्षद्वीप	0	9	0	9
36	पुदुचेरी	-	17	107	124
	अखिल भारतीय	**13173**	**30184**	**24532**	**67889**

'-' उपलब्ध नहीं/प्राप्त नहीं हुआ, *पिछले वर्ष का डेटा प्रयुक्त

स्रोत: राज्य/संघ राज्य क्षेत्र पशुपालन विभाग

अनुबंध-IV

एएचआईडीएफ के तहत किए गए निवेश का विवरण

क्र. सं.	ज़िला	अनुमोदित परियोजनाएँ	परियोजना लागत (करोड़ रुपये में)	ऋण राशि (करोड़ रुपये में)	जारी ब्याज सबवेंशन (करोड़ रुपये में)
I	डेयरी प्रसंस्करण				
1	विजयपुरा	1	28.84	20.70	0.75
2	दक्षिण कन्नड़	1	67.89	22.50	0.49
3	मैसूर	1	81.63	60.00	4.65
II	पशु आहार श्रेणी				
1	चिक्कबल्लपुर	1	93.21	69.00	4.80
2	चित्रदुर्ग	1	9.29	8.00	0.68
3	दक्षिण कन्नड़	1	0.92	0.80	0.03
4	धारवाड़	1	1.04	0.65	0.03
5	हसन	1	54.55	30.55	0.16
6	मंड्या	1	40.14	11.00	0.69
7	रामानगर	1	1.26	0.94	0.05
8	शिवमोगा	1	0.82	0.20	0.01
9	टुमकुरु	2	150.00	115.00	8.63